



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 245] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 9, 1991/आषाढ़ 18, 1913

No. 245] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 9, 1991 ASADHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे यह असम काफ़िरन फैल कर दें  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्मिक, सोक शिक्षायत तथा पेशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

पुस्ट-पत्र

नई दिल्ली, 28 जून, 1991

सा.का.नि. 333 (घ).--केन्द्रीय सिविल विभ. (पुनराभिनियोजित प्रधिकारियों का पुनर्मायोजन) भारत, 1991 से संबंधित दिनांक 12 मार्च, 1991 के भारत के राजपत्र (असाधारण) के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में का आ. 172(घ) से प्रकाशित कार्मिक, सोक शिक्षायत तथा पेशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) की दिनांक 12 मार्च, 1991 की भविसूचना संख्या 1/4/90-सी.एस.-III के हिन्दी रूप में--

(1) प्रथम पैराग्राफ में वाक्यांश "संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ" के पूर्व अंदर "1" को निकाल दें;

(2) पैरा 2 में प्रथम और द्वितीय पंक्तियों में बदल, "पुनर्मायोजन" के स्थान पर ग्रन्त "पुनर्मायोजन" पढ़ें;

- (3) पैरा 2(1) में शब्द, "किसी" के स्थान पर शब्द "किसी" पढ़ें;
- (4) पैरा 2(1) के परन्तुके खण्ड (ii) को पाचवीं पंक्ति में शब्द, "कार्रवाइ" के स्थान पर शब्द "कार्रवाई" पढ़ें;
- (5) पैरा 2(2) के खण्ड (i) के अन्त में शब्द, "है" के स्थान पर शब्द "है" पढ़ें;
- (6) पैरा 2(2) के खण्ड (ii) में शब्द और विराम चिन्ह, "है;" के स्थान पर शब्द और विराम चिन्ह "है;" पढ़ें;
- (7) पैरा 2(2) के प्रथम परन्तुके खण्ड (ii) के अन्त में विराम चिन्ह, ";" के स्थान पर विराम चिन्ह ":" पढ़ें;
- (8) पैरा 2(3) की पहली पंक्ति में आशयोंग, "किसी सेवा पद" के स्थान पर आशयोंग "किसी सेवा या पद" पढ़ें; और
- (9) पैरा 2(3) के बाबत पैरा "(3)(1)" के स्थान पर पैरा "3(1)" पढ़ें।

[सं. 1/4/90-सी.एस.-III]

करतार सिंह, प्रबर सचिव

### MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. & PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th January, 1991

GSR. 333 (E).—In the English version of the notification No. 1/4/90-CS.III dated 12-3-1991 of the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions (Department of Personnel and Training) published through S. O. 172 (E) in part. II Section. 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India (Extraordinary) dated 12-3-1991 regarding the Central Civil Services (Readjustment of Redeployed Surplus Employees) Order, 1991 —

- (1) After the first para, in the second para after the title and expression, "CASES OF SURPLUS EMPLOYEES ELIGIBLE FOR READJUSTMENT," the figure and brackets "(2)" shall be read as figure "2".
- (2) At the end of clause (ii) of Sub-para (2) of para 2, as corrected above the punctuation mark ";" shall be read as the punctuation mark ":".
- (3) At the end of clause (b) of the first proviso to sub-para (2) of para 2 as corrected above, the punctuation mark ";" shall be read as the punctuation mark ":".

[No. 1/4/90-CS. III]  
KARTAR SINGH, Under Secy.